समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Saturday, 19 September 2026

आगरा–अलीगढ़ ग्रीन एक्सप्रेसवे से बदलेगा सफर, 2027 तक शुरू होने की उम्मीद ; सिर्फ एक घंटे मे पूंरी होगी दूरी

Publisher

Published on 21 Nov 2025

आगरा और अलीगढ़ के बीच यात्रा को आसान और तेज बनाने के लिए नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (NHAI) ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। आगरा–अलीगढ़ ग्रीन एक्सप्रेसवे परियोजना पर काम अब तेजी से आगे बढ़ रहा है, जिसके पूरा होने के बाद दोनों शहरों के बीच की दूरी केवल एक घंटे में तय की जा सकेगी। वर्तमान में यह सफर डेढ़ से दो घंटे का होता है, लेकिन एक्सप्रेसवे बनने के बाद यात्रा समय में बड़ी कमी आएगी।

64.9 किलोमीटर लंबा यह आधुनिक एक्सप्रेसवे लगभग 1536.9 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जा रहा है। परियोजना को दो चरणों में विकसित किया जा रहा है ताकि काम समय पर और व्यवस्थित तरीके से पूरा हो सके। अधिकारियों का कहना है कि निर्माण कार्य समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ रहा है और यदि सब कुछ तय योजना के अनुसार चला, तो यह मार्ग वर्ष 2027 तक पूरी तरह तैयार हो जाएगा। इसके शुरू होने पर आगरा और अलीगढ़ के बीच सड़क कनेक्टिविटी नई दिशा लेगी और दोनों जिलों के लाखों लोगों को प्रतिदिन इसकी सुविधा मिलेगी।

यह ग्रीन एक्सप्रेसवे आगरा के खंदौली टोल प्लाजा से जुड़ते हुए एनएच-91 से कनेक्ट होगा। इसके बन जाने से यहां के लोगों को लंबे समय से परेशान कर रही जाम की समस्या से भी राहत मिलेगी। विशेषकर सुबह-शाम के व्यस्त समय में आगरा–अलीगढ़ रूट पर वाहनों की भीड़ बढ़ जाती है, जिससे यात्रा समय अधिक लगता है। नया एक्सप्रेसवे इस समस्या को काफी हद तक खत्म करेगा और एक सुगम, सुरक्षित यात्रा प्रदान करेगा।

इस परियोजना की एक और खासियत यह है कि यह 66 गांवों को सीधी सड़क सुविधा उपलब्ध कराएगा। ग्रामीण क्षेत्रों के लोग अब आसानी से आगरा और अलीगढ़ जैसे बड़े शहरों तक पहुंच सकेंगे। इसके तहत 49 फुटओवर ब्रिज (FOB), कई अंडरपास और सुरक्षा संरचनाओं का निर्माण किया जाएगा, जिससे गांवों और छोटे कस्बों के लोगों की आवाजाही सुरक्षित और बाधारहित होगी।

एक्सप्रेसवे के निर्माण का असर केवल यात्रा पर ही नहीं पड़ेगा, बल्कि यह क्षेत्र के विकास को नई गति देगा। आसपास के इलाकों में उद्योग, व्यापार और रियल एस्टेट को बढ़ावा मिलने की संभावना है। बेहतर सड़क कनेक्टिविटी से कृषि उत्पादों की पहुंच भी तेजी से बड़े बाजारों तक होगी, जिससे किसानों को आर्थिक लाभ मिलेगा। स्थानीय लोगों को रोजगार के नए अवसर भी मिलेंगे, खासकर निर्माण कार्य के दौरान और आगे भी।

परियोजना का पर्यावरणीय दृष्टिकोण से भी खास ध्यान रखा जा रहा है। ग्रीन एक्सप्रेसवे के रूप में विकसित किए जा रहे इस मार्ग के किनारों पर बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण की योजना है। साथ ही शोर को नियंत्रित करने और पर्यावरण संरक्षण के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जा रहा है।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय लगातार बड़े शहरों के बीच दूरी कम करने और बेहतर यात्रा सुविधाएं प्रदान करने के लिए ऐसी परियोजनाओं को गति दे रहा है। आगरा–अलीगढ़ ग्रीन एक्सप्रेसवे भी इन्हीं योजनाओं का हिस्सा है और उत्तर प्रदेश को नई इंफ्रास्ट्रक्चर पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

यह एक्सप्रेसवे पर्यटन के लिए भी फायदेमंद साबित होगा। आगरा देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों का प्रमुख आकर्षण केंद्र है, वहीं अलीगढ़ शैक्षणिक और औद्योगिक दृष्टि से महत्वपूर्ण शहर है। नए मार्ग से इन दोनों शहरों के बीच यात्रा आसान होने से पर्यटकों और यात्रियों को सुविधा होगी और दोनों जिलों की आर्थिक स्थिति को मजबूती मिलेगी।

कुल मिलाकर, आगरा–अलीगढ़ ग्रीन एक्सप्रेसवे आने वाले वर्षों में क्षेत्र की कनेक्टिविटी, आर्थिक विकास और लोगों की जिंदगी में सकारात्मक बदलाव लाने वाला साबित होगा। जैसे-जैसे काम आगे बढ़ रहा है, स्थानीय लोगों और यात्रियों के बीच इस परियोजना को लेकर उत्साह बढ़ता जा रहा है। उम्मीद है कि निर्धारित समय 2027 तक यह महत्वपूर्ण मार्ग पूरी तरह तैयार होकर जनता को समर्पित कर दिया जाएगा।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.